

上い口説

本調子

工	四	乙	四	尺	工	四	乙	四	尺	工	四	乙	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	尺	工	合	尺	工	五	七	五	工	尺	工	五	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

尺	上	老	上	尺	工	合	尺	工	五	工	尺	工	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	尺	工	五	四	乙	四	合	尺	合	乙	四	上	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

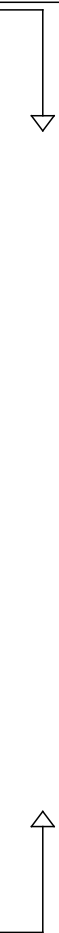
工	四	乙	四	合	尺	工	合	尺	工	五	七	五	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

尺	工	五	工	尺	上	老	上	尺	工	合	尺	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

五	工	尺	工	四	乙	合	老	五	工	五	七	五	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

尺	工	五	工	尺	工	四	合	尺	工	五	四	乙	四	合
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

尺	合	乙	四	上	四	工	四	乙	四		
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--



一、旅の出立ち観音堂十手観音
伏拝で黄金酌取て立別る

二、袖に降る露押払ひ大道松原
歩み行く行けば八幡宗元寺

三、美栄地高橋打渡で袖を連ねて
諸人の行くも帰るも中の橋

四、沖の側もで親子
兄弟連れて別れゆる
旅衣袖と袖とに露涙

五、船のとも綱とくどくと船子勇みて
真帆引けば風やまともに牛未

又も廻り逢ふご縁とて招く扇や
三重城残波岬も後に見て

伊平屋渡立つ波おし添えへて
道の島々
見渡せば七鳥渡中も
なだやすく

もゆる煙や硫黄が島佐多の岬に
はい並でい エ イ
あれ見ゆるは御開門
富士に見まごー桜島